International Year of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

ICCMRT Lucknow: Inauguration of Renovated Building & Launch of Key Initiatives under IYC- 2025

On August 26, 2025, the Institute of Cooperative and Corporate Management, Research & Training (ICCMRT) in Lucknow hosted a significant event featuring multiple inaugurations and program launches by Hon'ble Minister J.P.S. Rathore, Minister of State (Independent Charge) for Cooperatives, Government of Uttar Pradesh, along with other distinguished guests and officials.

Event Highlights: Multiple Inaugurations

1

Renovated Main Building

The Hon'ble Minister inaugurated the newly renovated main building of ICCMRT, enhancing the institute's infrastructure.

2

ICCMRT RPTO Office

Establishment of a new "ICCMRT RPTO" (Drone Pilot Training Organization) office to support the growing drone training initiatives.

3

Drone Pilot Training

Commencement of First and Second batches of the Women Drone Pilot Training Program (Phase-II), continuing the institute's commitment to technical education.

International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World

Tablet Distribution Under Swami Vivekanand Yuva Sahaktikaran Yojna

As part of the Government of Uttar Pradesh's Swami Vivekanand Yuva Sahaktikaran Yojna, 52 MBA students received tablets during the event.

This initiative aims to:

- Enhance students' technical skills and knowledge
- Help them explore new opportunities in the digital space
- Support their academic and professional development
- Bridge the digital divide in education

The distribution was personally overseen by Hon'ble Minister Shri J.P.S. Rathore, highlighting the government's commitment to youth empowerment through technology.

International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World

Women's Drone Pilot Training Program

Empowering Rural Women Through Technology

During 2025-26, ICCMRT will provide Drone Pilot Training to **266 Women Members of Rural Self Help Groups (WSHG)**, enabling them to become technically competent in the agriculture sector.

The Hon'ble Minister distributed certificates to women participants from previous batches and inaugurated two new batches during the event.

> "After this training, women will become self-reliant, which is a special initiative supported by the Prime Minister."
> **- Hon'ble Minister Shri J.P.S. Rathore**

Agricultural Applications of Drone Technology

Efficient Crop Management

"With the help of drones, spraying of urea, DAP, and pesticides can be done at a much lower cost and efficiently," stated Hon'ble Minister Rathore, highlighting the practical applications of drone technology in agriculture.

Crop Assessment

Drones can be used to assess crop insurance claims and productivity easily, making the process more accurate and less time-consuming for farmers and insurance providers.

Government Integration

The Minister emphasized that other state government schemes will also incorporate drone-based services, showing the government's commitment to technological advancement in agriculture.

2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World

Future Directions for ICCMRT

University Affiliation

Director Rajeev Yadav announced that ICCMRT is in the process of obtaining affiliation from Tribhuvan Sahkari University (TSU).

New Academic Programs

The institute plans to launch university-affiliated programs including:

- MBA-Cooperative
- MBA-Agriculture
- Other specialized courses

Director's Vision

> "This drone training program will create new employment opportunities for women and establish the institute's new identity."
>
> - Shri Rajeev Yadav, Director, ICCMRT

The event concluded with recognition of top-performing students from MBA, BBA, and B.Com (Hons.) programs, who received certificates and medals for their achievements in various competitions.

Media Reports:-

ड्रोन की मदद से किसानों को मिलेगा ज्यादा फायदा : राठौर

अमर उजाला ब्यूरो

सहकारिता मंत्री ने आईसीसीएमआरटी कार्यालय का किया लोकार्पण

कहा- ड्रोन प्रशिक्षण के बाद महिलाएं होंगी स्वावलंबी

लखनऊ। सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि ड्रोन की सहायता से नैनो यूरिया, नैनो डीएपी तथा दवाओं का छिड़काव कम समय और कम लागत में किया जा सकता है। इन ड्रोन से फसल बीमा एव अतिवृष्टि होने पर उसकी गणना आसानी से की जा सकती है।

सरकार की अन्य परियोजनाओं मे भी इन्ही ड्रोन को सेवाओं मे लिया जाएगा। राठौर मंगलवार को इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव एंड कॉर्पोरेट मैनेजमेंट रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईसीसीएमआरटी) संस्थान के मुख्य भवन के जीर्णोद्धार तथा नवनिर्मित आरपीटीओ कार्यालय के लोकार्पण एवं ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ में बोल रहे थे।

सहकारिता राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ड्रोन पायलट प्रशिक्षण एवं कृषि के क्षेत्र में इसके प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। राज्य सरकार उनके सपने को साकार करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि संस्थान ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

इस प्रशिक्षण के बाद महिलाएं स्वावलंबी होंगी। विशिष्ट ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2025-26 मे 20-20 के बैच में कुल 266 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत एमबीए पाठ्यक्रम के 52 छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिया गया।

आईसीसीएमआरटी के निदेशक राजीव यादव ने कहा कि ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को रोजगार के नए द्वार उपलब्ध होंगे। संस्थान द्वारा त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी (टीएसयू) से संबद्धत की कार्यवाही की जा रही है। शीघ्र ही यूनिवर्सिटी से संबद्ध एमबीए-कोऑपरेटिव, एमबीए-एग्री एवं अन्य कोर्सेज प्रारंभ किए जाएंगे।

सहकारिता मंत्री ने 52 छात्रों को दिये टैबलेट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे. पी. एस. राठौर ने इंस्टीट्यूट ऑफ कोआपरेटिव एण्ड कार्पोरेट मैनेजमेंट रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग संस्थान नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण किया। साथ ही महिला ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रथम एवं द्वितीय बैच का शुभारम्भ एवं स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 52 छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण किया।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण एवं कृषि के क्षेत्र में इसके प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। यह संस्थान ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आईसीसीएमआरटी प्रदेश का उच्चस्तरीय ड्रोन प्रशिक्षण संस्थान के रूप मे स्थापित हुआ है। इस प्रशिक्षण के उपरान्त महिलाएं स्वाबलम्बी होगी। ड्रोन की सहायता से नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी. तथा दवाओं का छिड़काव कम लागत मे किया जा सकता है। इन ड्रोन से फसल बीमा एव अतिवृष्टि की गणना भी आसानी से की जा सकती है। सहकारिता मंत्री ने 15वें एवं 16वें बैच प्रारम्भ होने पर महिलाओं को प्रशिक्षण के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित किए। संस्थान मे एमबीए, बीबीए एवं बी0काम ऑनर्स के विद्यार्थियों को संस्थान मे आयोजित की गयी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य की ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विशिष्ट ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025-26 मे 20-20 के बैच मे कुल 266 ग्रामीण महिलाओं को ट्रेनिंग दी जायेगी। उन्होंने राज्य सरकार की युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजनान्र्तगत एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के 52 छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण किए। ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के 2 बैचों का शुभारम्भ किया तथा प्रतिभागी महिलाओं को सर्टिफिकेट भी प्रदान किये। आई.सी.सी.एम.आर.टी. के निदेशक राजीव यादव ने कहा कि इस ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं के लिए नये रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। संस्थान नये कीर्तिमान स्थापित करने मे सफल होगा। उन्होने यह भी अवगत कराया कि संस्थान द्वारा त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी से सम्बद्धता की कार्यवाही की जा रही है तथा शीघ्र ही यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध एम0बी0ए0-कोऑपरेटिव, एम0बी0ए0-एग्री एवं अन्य कोर्सेज प्रारम्भ किये जायेंगे। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

आइसीसीएमआरटी बनाएगा उच्चस्तरीय ड्रोन पायलट : राठौर

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने मंगलवार को इंस्टीट्यूट आफ कोआपरेटिव एंड कारपोरेट मैनेजमेंट रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आइसीसीएमआरटी) में ड्रोन पायलटों के प्रशिक्षण के लिए बनाए गए प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि संस्थान ड्रोन पायलटों के प्रशिक्षण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यहां से उच्चस्तरीय ड्रोन पायलट तैयार होंगे जिनका सबसे अधिक लाभ कृषि क्षेत्र को मिलेगा। संस्थान में विशिष्ट ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025-26 में ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की 266 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। ड्रोन प्रशिक्षण के बाद महिलाएं स्वावलंबी होंगी।

खेतीबाड़ी में होगा इंटरनेट मीडिया का उपयोग : शाही